ईर्ष्या मत करो
लेकिन आभारी रहो

और अब, मेरे बच्चों, मेरी सुनो और छल और ईर्ष्या की आत्मा से सावधान रहो । क्योंकि मनुष्य के मन में डाह का वश होता है, और वह उसे न खाने देता है, न पीने देता है, और न कोई अच्छा काम करने देता है। लेकिन यह हमेशा उसे नष्ट करने का सुझाव देता है जिससे वह ईर्ष्या करता है; और जब तक ईर्ष्या करनेवाला फलता-फूलता है, तब तक जो ईर्ष्या करता है, वह मिटता जाता है... मैंने सीखा है कि ईर्ष्या से छुटकारा परमेश्वर के भय से मिलता है। क्योंकि यदि कोई मनुष्य यहोवा के पास भाग जाए, तो दुष्ट आत्मा उसके पास से भाग जाती है, और उसका मन हल्का हो जाता है। और अब से वह उसके साथ सहानुभूति रखता है जिससे वह ईर्ष्या करता था और उन लोगों को क्षमा कर देता है जो उससे शत्रुता रखते हैं, और इसलिए उसकी ईर्ष्या समाप्त हो जाती है।
शिमोन का नियम 1:16-20

इसलिए, मेरे बच्चों, सभी डाह और डाह से सावधान रहो, और मन की सिधाई में चलो, कि परमेश्वर तुम को भी अनुग्रह, और महिमा, और तुम्हारे सिर पर आशीष दे, जैसा कि तुम ने यूसुफ के विषय में देखा था। शिमोन 2:5 का नियम

मेरे बच्चों, क्या तुम भी अपने भाई से अच्छे दिल से प्यार करते हो, और ईर्ष्या की आत्मा तुमसे दूर हो जाएगी। क्योंकि यह प्राण को जंगली और शरीर को नाश करता है; यह मन में क्रोध और युद्ध उत्पन्न करता है, और खून के कामों को भड़काता है, और मन को उन्माद में ले जाता है, और आत्मा में कोलाहल और शरीर को कँपकँपा देता है। क्योंकि नींद में भी ईर्ष्या कुतरती है, और दुष्ट आत्माएं आत्मा को व्याकुल करती हैं, और शरीर को व्याकुल करती हैं, और मन को घबराहट की नींद से जगाती हैं; और एक दुष्ट और विषैली आत्मा के रूप में, यह मनुष्यों को दिखाई देती है ।
शिमोन 2:7-9 का नियम

क्योंकि घृणा उन्नति करने वालों के विरुद्ध भी ईर्ष्या से काम करती है;
जीएडी 1:22 का वसीयतनामा
धार्मिकता घृणा को दूर कर देती है, विनम्रता ईर्ष्या को नष्ट कर देती है। क्योंकि जो धर्मी और दीन है, वह अन्याय करने से लजाता है, और वह दूसरे की ओर से नहीं परन्तु अपने ही मन से निन्दा करता है, क्योंकि यहोवा उसकी प्रवृत्ति को देखता है।
जीएडी 1:27-28 का वसीयतनामा
क्योंकि कंगाल यदि डाहरहित होकर सब बातों में यहोवा को प्रसन्न रखता है, तो वह सब मनुष्योंसे अधिक धन्य है, क्योंकि उस से निकम्मे लोगोंकी पीड़ा नहीं होती।। इसलिये मन में से जलन को दूर करो, और सीधे मन से एक दूसरे से प्रेम रखो।
जीएडी 2:15-16 का करार

और न मैं डाह करके जाऊंगा; क्योंकि ऐसे मनुष्य की बुद्धि से संगति न होगी। सुलैमान की बुद्धि 6:23
पापी की महिमा के विषय में डाह न करना, क्योंकि तू नहीं जानता कि उसका अन्त क्या होगा। सभोपदेशक 9:11
कंजूस को धन शोभा नहीं देता: और ईर्ष्यालु मनुष्य धन का क्या करे? सभोपदेशक 14:3

जो अपने आप से ईर्ष्या करता है, उस से बुरा कोई नहीं;
और यह उसकी दुष्टता का बदला है। और यदि वह भला करता है, तो अनिच्छा से करता है; और आखिर में वह अपनी दुष्टता की घोषणा करेगा। ईर्ष्यालु मनुष्य की दृष्टि बुरी होती है; वह अपना मुँह फेर लेता, और मनुष्यों को तुच्छ जानता है। लोभी की आंखें अपने भाग से तृप्त नहीं होतीं; और दुष्ट के अधर्म से उसका मन सूख जाता है। दुष्ट की दृष्टि उसकी रोटी पर डाह करती है, और वह अपक्की मेज पर कंगाल है। सभोपदेशक 14:6-10
ईर्ष्या और क्रोध जीवन को घटा देते हैं, और सावधानी समय से पहले आयु ले आती है। सभोपदेशक 30:24

कुकर्मियों के कारण न कुढ़ना, और न अनर्थकारियों से डाह करना। क्योंकि वे घास की नाईं झट कट जाएंगे, और हरी घास की नाईं मुर्झा जाएंगे। भजन 37:1-2

...क्योंकि जब मैं ने दुष्टोंका कुशल देखा, तब मैं मूर्खोंसे डाह करने लगा...उनकी आंखें चिकनी हो गईं हैं; दुनिया; वे धन में वृद्धि करते हैं... जब मैंने यह जानने के लिए सोचा, तो यह मेरे लिए बहुत पीड़ादायक था; जब तक मैं परमेश्वर के पवित्रस्थान में न गया; तब मैंने उनका अंत समझा। निश्चय तूने उन्हें फिसलन वाले स्थान में खड़ा किया; तू ने उन्हें सत्यानाश कर डाला... क्योंकि देख, जो तुझ से दूर हैं वे नष्ट हो जाएंगे; परन्तु परमेश्वर के समीप रहना मेरे लिथे भला है; मैं ने परमेश्वर यहोवा पर भरोसा रखा है, कि मैं तेरे सब कामोंको प्रगट करूं। भजन 73

तू अन्धेर करनेवाले के विषय में डाह न करना, और उसके किसी मार्ग को न चुनना। क्योंकि टेढ़े से यहोवा घृणा करता है, परन्तु उसका भेद धर्मियोंके संग है।। नीतिवचन 3:31-32
स्वस्थ मन, तन का जीवन है, परन्तु हड्डियों की सड़न से डाह करो। नीतिवचन 14:30
तू पापियों के विषय मन में डाह न करना, दिन भर यहोवा का भय मानते रहना। निश्चित रूप से अंत है; और तेरी आशा न तोड़ी जाएगी। नीतिवचन 23:17-18
बुरे लोगों से डाह न करना, और न उनके संग रहने की इच्छा करना। क्योंकि उनका मन विनाश की बात सोचता है, और उनके होंठ अनर्थ की बातें करते हैं। नीतिवचन 24:1-2
बुरे लोगों के कारण न कुढ़ना, और न दुष्टों से डाह करना; क्योंकि बुरे मनुष्य को कोई फल न मिलेगा; दुष्टों का दिया बुझा दिया जाएगा। नीतिवचन 24:19-20
क्रोध क्रूर और क्रोध भयानक है; लेकिन ईर्ष्या के सामने कौन खड़ा हो सकता है? नीतिवचन 27:4